कृषि विज्ञान केंद्र, गोविदनगर
कृषि संदेश

अंक – 09 | www.bkbankhedi.org | 2020

संरक्षक
डॉ अतुल सेठा
अध्यक्ष
भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविदनगर

श्री अनिल अग्रवाल
अध्यक्ष
कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर

मार्गदर्शक
डॉ अनुपम मिश्रा
निदेशक ATARI
भा.कृ.आ.प. झोन–9 जबलपुर

संपादक मण्डल
ब्रजेश कुमार नामदेव
प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख

डॉ संजीव कुमार गर्ग
वैज्ञानिक (कृषि प्रसार)

डॉ देवीदास पटेल
वैज्ञानिक (पादप प्रजनन)

लवेश कुमार चौरसिया
वैज्ञानिक (उद्यानिकी)

डॉ आकांक्षा पांडे
वैज्ञानिक (गृह विज्ञान)

डॉ दिवाकर वर्मा
वैज्ञानिक (पशुपालन एवं प्रबंधन)

प्रवीण सोलंकी
कार्यक्रम सहायक (मृदा विज्ञान)

पंकज शर्मा
कार्यक्रम सहायक (प्रक्षेत्र प्रबन्धक)

राहुल माझी
कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर)

विकास कुमार मोहरीर
सहायक

कौशल विकास प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केंद्र में भारत सरकार के कौशल भारत – कुशल भारत के अंतर्गत जैविक उत्पादकों हेतु एंव डेयरी वर्कर कौशल विकास प्रशिक्षण दिया गया ।

कृषि विज्ञान केंद्र में भारत सरकार के कौशल भारत – कुशल भारत के अंतर्गत जैविक उत्पादकों हेतु कौशल विकास प्रशिक्षण को आगे बढ़ाते हुए आज प्रायोगिक तौर पर प्रशिक्षणार्थियों को जैविक खाद पन्चगव्य बनाने की विधि का प्रशिक्षण दिया गया ।

कृषि विज्ञान केंद्र में पधारे संयुक्त संचालक कृषि

श्री जीतेन्द्र सिंह जी द्वारा KVK परिसर में पौध रोपण किये गए साथ में KVK के प्र क्षेत्र प्रदर्शन में लगी गेंहू एवं चने की फसल की विभिन्न किस्मो का अवलोकन कर प्रशंसा की इसके साथ गौशाला का भ्रमण कर कौशल विकास के डेयरी वर्कर के प्रतिभागियों एवं कृषि विद्यार्थियों से चर्चा कर उनका उत्साह वर्धन किया।

संकुल अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन दलहन प्रक्षेत्र का भ्रमण

संकुल अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन दलहन चना के अंतर्गत आज ग्राम केसला एवं पौड़ी में क्षेत्र का भ्रमण किया गया एवं फली छेदक इल्ली के नियंत्रण हेतु फेरोमेन ट्रैप लगाए गए जिसमें संकुल अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के नोडल डॉक्टर देवदास पटेल कृषि विज्ञान केंद्र के प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर बृजेश नामदेव एवं कृषि विभाग के वरिष्ठ विकास अधिकारी बी पी रघुवंशी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एसके गुर्जर एवं ग्रामीण कृषि प्रसार अधिकारी ए के मिश्रा एवं गांव के कृषक बंधु उपस्थित रहे

अंडे उष्मायित्र (Egg Incubator) का निर्माण

भारत के प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी किसानो को अपनी आय दुगुनी करने हेतु कृषि के साथ अन्य कृषि से जुड़े व्यवसाय को अपनाने के लिए कह रहे है, इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए कृषि विज्ञान केंद्र होशंगाबाद द्वारा अगिंकित ग्राम चाकर जो पिपरिया में पचमढ़ी मार्ग एवं देनवा नदी के किनारे स्थित है द्य वहां किसानो को 2018–19 में 40–40 कड़कनाथ मुर्गी के चूजे प्रदान किये गए थे आज बह मुर्गी लगभग 1 से 2 किलो के हो गए अंडे भी देने लगी है जिससे अतिरिक्त आमदानी हो रही है। वह के किसानो से सम्पर्क के दौरान यह जानकारी मिली है की कड़कनाथ मुर्गी अंडे पर बैठती नहीं जिससे आगे इसके संतति आगे नहीं बड़ पा रहे है द्य इसी समस्या को देखते हुए केंद्र के प्रभारी ब्रजेश कुमार नामदेव एवं डॉ दिवाकर वर्मा (पशुपालन वैज्ञानिक) ने रविन्द्र नाथ टैगोर कृषि विश्वविद्यालय भोपाल से ग्रामीण कृषि अनुभव कार्य (ूंम) के लिए आये विद्यार्थी मोनू चौरे, आदर्श चौधरी, गौतम बारस्कर से चर्चा कर अंडे उष्मायित्र (**Egg Incubator**) का निर्माण कराया है।

Egg Incubator – ऊष्मायित्र एक प्रकार का उपकरण है, जिसके द्वारा कृत्रिम विधि से अंडों को सेआ जाता है और उनसे बच्चे उत्पन्न कराए जाते हैं। एक निश्चित तापमान पर, इनक्यूबेटर एक बक्सा–प्रकार का यंत्र होता है जिसका उपयोग जीवित सेल के एक हिस्से को बढ़ाने हेतु किया जाता है।

उदेश्य– किसानो की अतिरिक्त आय हेतु मुर्गी पालन को बढावा देना, कम लागत मे अंडे सेने की समस्या को दुर करना

निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री– तापमान मीटर, लाइट, तार, होल्डर, क्ब् फैन, 12ट क्ब एडॉप्टर, थर्माकोल बॉक्स,

निर्माणरू– थर्माकोल के बॉक्स मे अंदर की ओर फेन व लाइट को लगा दे, बॉक्स मे बाहर की ओर तापमान मीटर को लगा कर इसे एडॉप्टर से जोड़ दे, तथा लाइट को मेन लाइन से जोड़ दे तथा लाइट के एक तार को तापमान मीटर के पॉइंट से होकर गुजारे, तथा एडॉप्टर को मैन लाइन से जोड़ दे।

कैसे कार्य करता है – यह इनक्यूबेटर स्वतः ही काम करता है, इसे 1 बार मैं लाइन से जोड़ कर स्विच को आन कर दे, बॉक्स मे तापमान 37-5"ब से अधिक होने पर इसमे लगा लाइट स्वतः ही बंद हो जाता है तथा तापमान कम होने की स्तिथी मे लाइट स्वतः ही चालू हो जाता है।

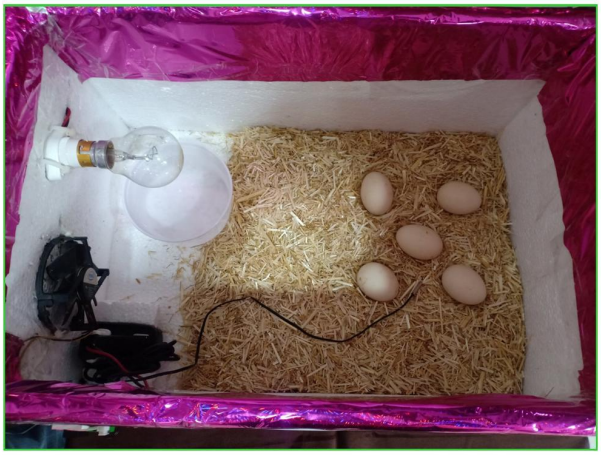

उपयोग–

- बॉक्स मे निचे भूसा डाल कर अंडो को जमा दे।
- बॉक्स मे दिये गए पात्र मे पानी भर कर रख दे।
- बॉक्स मे 1–21 दिन तक तापमान एक जैसा रहना चाहिये.
- 1–18 दिन तक अंडों को दिन मे तीन बार घुमाना चाहिये.
- 19–2 वे दिन अंडो को बिल्कुल भी हाथ न लगाये न ही बॉक्स को हिलाये
- 21 वे दिन से अंडो से चूजे बाहर आना शुरू हो जाते है
- ठंड के दिनो में तापमान जल्दी बढ़ाने हेतु आवश्यकतानुसार पंखा बन्द कर दे.
- डिब्बे को बार – बार ना खोले.

मेला महोत्सव के अवसर पर स्टाल लगाया गया

कृषि विज्ञान केंद्र होशंगाबाद द्वारा आज बनखेड़ी में बसंत पंचमी विशाल मेला महोत्सव के अवसर पर स्टाल लगाया गया व स्टाल पर आने बाले किसानों को इस महीने में किये जाने बाले समसामयिक कार्य , मूंग की खेती की जानकारी , अजोला घास, वर्मी कंपोस्ट, बीज उपचार की विधि, एकीकृत कीट प्रबंधन की जानकारी किसानों को प्रदान की गई ।

कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा खाद्य प्रसंस्करण पर 10 दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया

प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्राम की युवतीयों एवं महिलाओ को आर्थिक ससक्त बनाना है एवं स्थानीय स्तर पर मिलने वाले खाद्य पदार्थो को प्रसंस्करित करके उनका लाभ साल भर लेने के साथ साथ उनके द्वारा आमदनी करना, प्रशिक्षण मे 4 ग्रामो की 13 युवती एवं महिलाओ ने भाग लिया 10 दिन के प्रशिक्षण मे निम्न खाद्य पदार्थो का निर्माण किया गया आवला, नींबू, मटर, हरीर्मिच, लालर्मिच, आवला मुरब्बा, आवला केडी, आवला सुपारी, आवला अचार, नींबू स्क्वै श, नींबू अचार, नींबू चटनी, लाल हरी मिर्ची का अचार, दही मिर्ची आदि बनाना बताया गया फ्रोजेन मटर हम सभी जानते है की प्रकृति से मौसम मे अलग अलग फल मिलते है जो की साल भर पोषण के लिये आवश्यक होते है मौसम के समय उनकी कीमत भी सामान्य रहती है यदि हम घर पर ही वैज्ञानिक तरह से मौसमी फल सब्जी को परिरक्षित कर ले तो साल भर पोषण का लाभ ले सकते है और बाजार मे बेच कर पैसा कमा सकते है ।

मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भारत सरकार द्वारा 19 फरवरी 2015 में शुरू की गई एक योजना है। इस योजना के तहत, सरकार किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी करती है, जो किसानों की मदद के लिए व्यक्तिगत खेतों मे आवश्यक पोषक तत्वों और उर्वरकों की फसलवार सिफारिशें प्रदान करती है, इसी संबंध में सरकार द्वारा आज 19 फरवरी 2020 को मृदा स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया जाने का कार्यक्रम होशंगाबाद जिले के सातों ब्लॉक में यह कार्यक्रम जिले के कृषि विभाग एवं होशंगाबाद कृषि विज्ञान केंद्र के सामुहिक प्रयास से किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी श्री बृजेश कुमार नामदेव सहित, 7 वैज्ञानिकों द्वारा जिले के प्रत्येक ब्लॉक में आज कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें किसानों को मिट्टी परीक्षण से संबंधित संपूर्ण जानकारी मृदा स्वास्थ्य कार्ड का महत्व एवं अनुशंसित उर्वरकों की विभिन्न फसलों के लिए आवश्यक मात्रा बताई गई तथा वर्तमान में हो रही गेहूं एवं अन्य फसलों के बारे में जानकारी दी गई।

सेवारत आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओ का प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा ग्राम तिंसरी मे सेवारत आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओ का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस प्रशिक्षण मे आगनवाड़ी मे पोषण वाटिका को प्रोत्साहन कैसे मिले इस हेतु चर्चा की गई । महिला घर मे कैसे सब्जी ऊगा सकते है उसकी जानकारी के साथ साथ सब्जियाँ की नई किस्मो के बारे मे जानकारी प्रदान की गई ।

कृषक संगोष्ठी का आयोजन

ग्राम जमानी (केसला ब्लाक) में ग्राम सेवा समिति के द्वारा जैविक कृषकों के मध्य कृषक संगोष्ठी का सामूहिक रूप से आयोजन किया गया जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र होशंगाबाद के वैज्ञानिक डॉ देवीदास पटेल ने बीज की उन्नत तकनीकी, फसलों की विभिन्न प्रजातियां के बारे में चर्चा की, डॉ. आकांक्षा पांडे ने पोषण एवं आहार का मनुष्य के जीवन में प्रभाव पर चर्चा की एवं मृदा विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण सोलंकी ने पोषक तत्वों की प्राकृतिक साइकिल में किस प्रकार गौ माता उस साइकिल को पूरा करती है विषय पर चर्चा की (फसलों का पूरा अवशेष पशुओं का एवं पशुओं का पूरा अवशेष भूमि का इस तरह पोषक तत्वों की प्राकृतिक साइकिल चलती है.

प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

संकुल अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन रवि दलहन चना 2019 20 के अंतर्गत प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम ग्राम मरका ढाना में किया गया जिसमें ग्राम के कृषकों को कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा चने की उन्नत किस्म आरवीजी 202 एवं इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट को प्रक्षेत्र पर प्रदर्शन के रूप में दिखाया गया जिससे की खेती की लागत को किस प्रकार कम करके अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है यह मेथड डेमोंसट्रेशन के रूप में कृषकों को दिखाया गया

अप्रैल माह के प्रमुख कृषि कार्य

- गेहूँ की फसल की कटाई करते हैं। और उसके बाद खेत को मूंग या चारे की फसल के लिये तैयार की जाती है।
- गन्ने में पानी देकर निदाई–गुड़ाई करते हैं। उर्वरक देते हैं।
- मक्का, बरबटी, लूसन को काटकर–जानवरों को खिलाया जाता है।
- अरहर, जौ, सरसों, अलसी की कटाई की जाती है।
- खेत की जुताई की जाती है ताकि कीड़े मकोड़ों से पौधों की रक्षा करे।
- जो फसलो की कटाई हुई है, उसे सुखाकर उड़वनी कर अनाज को अच्छे से रखते हैं। कोठी, टंकी, बारदानों को अच्छी तरह साफ करने के बाद नया अनाज उनमें रखते हैं।
- आम के बगीचे में पानी देते हैं।
- नींबू जातिय पेड़ों में सिंचाई बन्द रखते हैं।
- केले के पौधों में चारों ओर से निकलते हुए सकर्स को निकाल दिया जाता है।
- ग्रीष्मकाल के भिण्डी के बीज से बुवाई करते हैं। दूसरे खड़ी फसलों की हर सप्ताह सिंचाई की जाती है। प्याज और लहसुन की खुदाई करते हैं।

संपर्क सूत्र

कृषि विज्ञान केंद्र गोविदनगर

जिला – होशंगाबाद (म.प्र.)

पलिया–पिपरिया, तह– बनखेड़ी, होशंगाबाद (म.प्र.)

@KGovindnagar Kvkbankhedi +916264979854 kvkgovindgar2017@gmail.com